अचानक बदले मौसम ने बढ़ाई परेशानी

भीटी से करौंदी पहुंच मार्ग बाधित

नवभारत न्यूज

गुढ़, 17 मई, रविवार को गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली. सुबह लगभग 11 बजे से 12 बजे के बीच तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई, जिससे कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हो गया.

तेज हवाओं और बारिश के चलते बघमड़ा के पास मुख्य सड़क पर एक विशाल वृक्ष अचानक गिर पड़ा, जिससे सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया. स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग गुढ़ एवं रीवा शहर तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, कर्मचारी और राहगीर आवागमन करते हैं. अचानक वृक्ष गिरने से मुख्य मार्ग बाधित हो गया है. हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन समय रहते वाहन चालकों ने सतर्कता दिखाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज तूफान के दौरान वृक्ष अचानक सड़क पर आ गिरा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. बगमड़ा के ग्रामवासियों एवं राहगीरों ने बताया कि गुढ़ एवं रीवा शहर पहुंचने के लिए यही मुख्य संपर्क मार्ग है. सड़क पर पेड़ गिर जाने के कारण लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है. वहीं बारिश और कीचड़ के कारण अन्य मार्ग भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं. ग्रामीणों का कहना है कि मौसम में अचानक हुए बदलाव ने पूरे क्षेत्र की व्यवस्था बिगाड़ दी है. तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, जबकि सड़क पर गिरे वृक्ष के कारण एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के आवागमन में भी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं. ग्रामवासियों एवं राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर गिरे वृक्ष को तत्काल हटाया जाए, ताकि लोगों का आवागमन जल्द से जल्द सुचारु हो सके. लोगों का कहना है कि यदि समय रहते रास्ता साफ नहीं कराया गया तो ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. स्थानीय लोगों ने पेड़ हटाने की मांग की है.

गुढ़ में एसडीएम और थाना प्रभारी ने किया पटाखा दुकानों का निरीक्षण

देवास हादसे के बाद प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

गुढ़, 17 मई, मध्य प्रदेश के देवास जिले में हाल ही में एक पटाखा फैक्ट्री में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना के बाद प्रदेश भर में प्रशासन मुस्तैद हो गया है. इसी क्रम में रीवा जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार गुढ़ तहसील क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने पटाखा दुकानों का सघन निरीक्षण किया.

सुरक्षा मानकों की जांच गुढ़ एसडीएम सुधाकर सिंह और थाना प्रभारी शैल यादव ने दलबल के साथ क्षेत्र की विभिन्न पटाखा दुकानों और उनके भंडारण स्थलों का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान अधिकारियों ने मुख्य रूप से अग्नि सुरक्षा उपकरणों, लाइसेंस की वैधता, स्टॉक की सीमा और दुकान की बनावट की जांच की. निरीक्षण के दौरान संतोषजनक स्थिति पाई गई एसडीएम सुधाकर सिंह ने बताया कि अधिकांश दुकानों में आग पर काबू पाने के लिए आवश्यक यंत्र जैसे फायर अग्निशामक यंत्र रेत से भरी बाल्टियाँ और पानी की पर्याप्त व्यवस्था मौजूद थी. दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे इन उपकरणों को हमेशा कार्यशील अवस्था में रखें.

निरीक्षण के दौरान दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश - निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हिदायत देते हुए कहा कि दुकानों के आसपास किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ या धूम्रपान पूरी तरह प्रतिबंधित रहे. लाइसेंस में निर्धारित मात्रा से अधिक पटाखों का भंडारण न किया जाए. पटाखों की दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में आग फैलने का खतरा कम हो. बिजली के तारों की फिटिंग सुरक्षित हो ताकि शॉर्ट सर्किट की संभावना न रहे.

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्या कहा - एसडीएम सुधाकर सिंह ने कहा देवास जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए हम पूरी तरह सतर्क हैं. सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. सभी दुकानदारों को स्पष्ट आगाह कर दिया गया है कि नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर लाइसेंस निरस्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. थाना प्रभारी शैल यादव ने भी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे किसी भी अवैध भंडारण की सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय रहते सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

फॉर्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए आज 31 स्थानों में लगेंगे शिविर

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 17 मई, जिले में फार्मर रजिस्ट्री सैचुरेशन की कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए 20 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है.

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा है कि इन शिविरों के माध्यम से किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाएगी और उनके सभी खसरों को इस आईडी से लिंक किया जाएगा. शिविर में आने वाले किसानों को अपने साथ आधार कार्ड, भूमि स्वामित्व प्रमाण (खसरा खतौनी), मोबाइल नंबर और समग्र आईडी लाना अनिवार्य होगा. फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 18 मई को नईगढ़ी तहसील में हकरिया, नरैनी, जिलहड़ी, पथरौड़ा कला, पुरवा, पुरैनी, बहुती, चकरहा टोला, पहरखा तथा मुड़िला में शिविर लगेंगे. मऊगंज तहसील में डगडौवा, रतनगवां, देवतालाब, भाटी सेगर, अटरिया शिवप्रसाद, जमुहरा, मुदरिया चौबेन, सरई सेंगर, डगडौआ, लौर कला तथा शिवपुरवा में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए शिविर लगाए जाएंगे. हनुमना तहसील में पहाड़ी, बिझौली गहरवार में शिविर लगेगे.

जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 17 मई, अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी पीके पाण्डेय ने तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी हनुमना, सीएमओ एवं चार्ज अधिकारी नईगढ़ी, जीआरएस आशीष कुमार साकेत तथा सहायक शिक्षक रामसिया कोल को जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है. नोटिस का जवाब तीन दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं. समय सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी. साथ ही अपर कलेक्टर ने सभी ग्रामीण और नगरीय चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मकान सूचीकरण सर्वे कार्य में पाई जा रही त्रुटियों और विसंगतियों को दूर कराएं.

हनुमना के वार्ड-12 में कीड़े युक्त पानी पीने को मजबूर लोग

नवभारत न्यूज

हनुमना, 17 मई, मऊगंज जिले के हनुमान नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 पुलिया मोहल्ला के अनेक परिवार कीड़े युक्त नाली का नल सप्लाई से आने वाला पानी पीने को मजबूर है.

जिसके चलते लोग बताया जाता है कि कई लोग विभिन्न संक्रमित बीमारियों के शिकार हो रहे हैं. उल्लेखनीय है कि एक और अमृत -2 योजना के अंतर्गत 302 करोड रुपए की भारी भरकम रस हनुमान नगर परिषद में पेयजल व्यवस्था हेतु आई है. वहीं दूसरी ओर इसके पूर्व से अरबो रुपए खर्च हो चुके हैं लेकिन आज भी नगर परिषद के अनेक वार्डों में लोग पेय यज के संकट से गुजर रहे हैं अभी भी कितने लोगों को आधा किलोमीटर दूर किसी को 2 किलोमीटर दूर से पीने का पानी लाना पड़ता है. अंधेर तो तब हो गई जब वार्ड क्रमांक 12 में 1 हफ्ते से पुलिया मोहल्ला के कई परिवार नाली का गंदा पानी वह भी कीड़े युक्त वाटर सप्लाई में आने के चलते पीने को मजबूर है. कई परिवारों ने नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी पानी दिखाया लेकिन अभी तक उसका समाधान नहीं निकल सका है वहीं वार्ड क्रमांक 10 में भी नाली का बदबूदार पानी आने से लोगों में काफी आक्रोश है. भारत लाल गुप्ता कहते हैं कि एक हफ्ते से इसी तरह का कीड़े युक्त पानी आ रहा है हम बार-बार के विशेष कर पुलिया मोहल्ले के लोग अमिला नल से पीने का पानी लाकर पीने को मजबूर हो रहे हैं जो कि यहां से 5 से 6 किलोमीटर पड़ता है उत्तर प्रदेश बॉर्डर. तारकेश्वर गुप्ता कहते हैं कि हम भी इन दोनों प्रतिदिन अमिला नाल स्थित झरने का पानी पीने के लिए लाते हैं.

बिहरिया पंचायत में करोड़ों की अनियमितता को लेकर कलेक्टर से शिकायत

नवभारत न्यूज

गुढ़, 17 मई, रीवा जिले के जनपद पंचायत रीवा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिहरिया में सरपंच और सचिव की जुगलबंदी द्वारा शासकीय राशि के व्यापक दुरुपयोग और भारी भ्रष्टाचार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है.

बिना किसी ठोस निर्माण कार्य के ही पंचायत खातों से करोड़ों रुपये का आहरण कर लिया गया है. इस पूरे भ्रष्टाचार का खुलासा करते हुए शिकायतकर्ता रणबहादुर सिंह ने बताया कि रीवा जिले का ऐसा कोई भी जिम्मेदार कार्यालय नहीं बचा है, जहां उन्होंने इस महाघोटाले की लिखित शिकायत न दर्ज कराई हो,लेकिन इसके बावजूद भी अब तक भ्रष्टाचारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. शिकायतकर्ता रण बहादुर सिंह द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, बिहरिया ग्राम पंचायत को जिला डीएमएफ मद से विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ 30 लाख की भारी-भरकम राशि आवंटित की गई थी. लेकिन इस राशि से धरातल पर कोई भी विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहा है. इसके साथ ही पंचायत के खातों से मुक्तिधाम निर्माण,शासकीय स्कूल की बाउंड्री वॉल, पीसीसी सड़क और जल निकासी के लिए नाली निर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण जनहितैषी कार्यों की राशि स्वीकृत कराई गई और बिना कार्य पूर्ण किए या बिना कार्य शुरू किए ही पूरी राशि को डकार लिया गया।प्राथमिक आकलनों के अनुसार,

इस पंचायत में कुल मिलाकर लगभग 5 करोड़ से अधिक के भ्रष्टाचार की आशंका व्यक्त की जा रही है. कलेक्टर के कड़े रुख को देखते हुए जनपद सीईओ ने फोन पर सफाई देते हुए कहा कि बिहरिया सरपंच और सचिव से शासकीय राशि की वसूली की जा रही है. हालांकि, शिकायतकर्ता रण बहादुर सिंह ने इस दावे को पूरी तरह से झूठा और भ्रामक करार दिया है. शिकायतकर्ता का आरोप है कि धरातल पर अभी तक इस घोटाले की जांच के लिए न तो कोई आधिकारिक जांच टीम गठित की गई है और न ही किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई गई है. इसके बावजूद जनपद सीईओ द्वारा कलेक्टर को गुमराह करने और भ्रामक जानकारी देने का प्रयास किया गया ताकि मामले को रफा-दफा किया जा सके. इस पूरे घोटाले में प्रशासनिक साठगांठ का एक और बड़ा सबूत सामने आया है. दरअसल,बिहरिया पंचायत प्रशासनिक रूप से लक्ष्मणपुर सीएफटी के अंतर्गत आती है. नियमानुसार उसी सीएफटी के उपयंत्री को यहां के कार्यों का निरीक्षण करना चाहिए था. परंतु नियमों को ताक पर रखकर केवल एक बिहरिया पंचायत के कार्यों की देखरेख और सत्यापन करने के लिए किसी अन्य सीएफटी के उपयंत्री को विशेष रूप से नियुक्त किया गया है।

यह संदिग्ध नियुक्ति सीधे तौर पर इस बात की ओर इशारा करती है कि भ्रष्टाचार को छुपाने और कागजी खानापूर्ति करने के लिए मनमुताबिक अधिकारियों को तैनात किया गया. रण बहादुर सिंह ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है.

कलेक्टर की जनसुनवाई में गूंजा मामला

इस गंभीर मामले को लेकर बीते मंगलवार को शिकायतकर्ता रणबहादुर सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय की जनसुनवाई में पहुंचकर नव नियुक्त कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया. उन्होंने साक्ष्यों के साथ बताया कि किस प्रकार पंचायत के फंड का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है. कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया. उन्होंने जनसुनवाई के दौरान ही तत्काल रीवा जनपद सीईओ को फोन लगाया और इस पूरे मामले पर कड़ा रुख दिखाया. कलेक्टर ने दो-टूक निर्देश देते हुए कहा कि यदि सरपंच द्वारा शासकीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का पैसा अपने सगे पुत्र के बैंक खाते में ट्रांसफर किया गया है,तो बिना किसी देरी के संबंधित सरपंच और सचिव के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए.

पीसीसी सड़क का फीता काट कर लोकार्पण करते विधायक प्रदीप पटेल

सबसे दूर-सबसे पहले अभियान के तहत आज से शुरू होंगी गतिविधियां

नवभारत न्यूज

मऊगंज, 17 मई, जिले में आदिवासियों को कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के गांवों में सबसे दूर-सबसे पहले अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा.

आगामी 25 मई तक आयोजित किए जा रहे अभियान में शिविरों के आयोजन के साथ ही वृक्षारोपण, हितलाभ वितरण, स्वास्थ्य परीक्षण और आजीविका दृश्यता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित होंगे. इस अवसर पर आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन खाता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रमकार्ड एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शिविर के माध्यम से दिया जाएगा. 25 मई तक अभियान चलाया जायेगा.

पीसीसी सड़क का विधायक ने किया फीता काट कर लोकार्पण

नवभारत न्यूज

हनुमना, 17 मई, नगर परिषद हनुमना के वार्ड क्रमांक 13 भाठी में बहु प्रतीक्षित पीसीसी सड़क का लोकार्पण किया गया.

लोकार्पण मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं, नगर परिषद के अध्यक्ष सोनू गुप्ता की अध्यक्षता , विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष श्रीमती शरद गुप्ता,, वार्ड पार्षद श्रीमती शकुंतला सेन की उपस्थिति में निर्मित हुई पीसीसी सड़क जनता को समर्पित की गई, जिसमें सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कार्यक्रम के अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि, पार्षद, एवं कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सर्वप्रथम भारत माता , सरस्वती माता की तस्वीर पर धूप दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की गई, तत्पश्चात सभा स्थल पर मुख्य अतिथि, कार्यक्रम के अध्यक्ष, एवं सेवानिवृत्ति प्राध्यापक रवि द्विवेदी एवं आए हुए सभीअतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया स्वागत कार्यक्रम के पश्चात मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष सोनू गुप्ता, सेवानिवृत अध्यापक रवि द्विवेदी नेअपने-अपने विचार रखते हुए कहा कि इस गांव का कैसे सर्वांगीण विकास हो आप सब ग्रामीण जन बैठकर विचार कर लीजिए, और कार्य योजना बना लीजिए हम सब आपके साथ हैं, एवं सड़क के लोकार्पण अवसर पर भी अपने- विचार रखें, मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के डीजल पेट्रोल की बचत करने केआवाहन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बोले की हम सभी को भी राष्ट्रहित में डीजल पेट्रोल आधारित वाहनों का कम से कम उपयोग करना चाहिए जैसा कि आप सब खाड़ी युद्ध में चल रहे घटनाक्रम से चिर परिचित हैं ऐसी स्थिति मे हमें तेल संकट से न जूझना पड़े जिसके लिए हमें गंभीरता से विचार करना पड़ेगा और हर हाल में डीजल पेट्रोल की बचत करना पड़ेगा , कम से कम यात्रा एवं इलेक्ट्रिक वाहन चलाने पर जोर दिए , इस कार्यक्रम में सबसे दिलचस्प बात यह थी की विधायक प्रदीप पटेल ने स्वयं मोदी जी के आह्वान पर पेट्रोल डीजल की बचत का अक्षरसह पालन कर रहे है.

मैहर जिले में उद्यानिकी मिशन योजना के संचालन के लिए जिला मिशन समिति गठित

मैहर 17 मई। उद्यानिकी मिशन योजना के प्रभावी संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश 2025 तथा मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश के तहत मैहर जिले में जिला मिशन समिति (डीएमसी) का गठन किया गया है। समिति के गठन को प्रभारी मंत्री मैहर द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। उप संचालक उद्यान अनिल कुमार सिंह ने बताया कि कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

निजी भूमि से आम का फल तोड़ ले गया सरहंग

नवभारत न्यूज

गुढ़, 17 मई, जिले के गुढ थाना छेत्र के इटार गांव से अजीब ख़बर निकल कर बाहर आ रही है. जिसमें वृद्ध किसान के निजी भूमि पर लगे आम के पेड़ से दबंगों ने दिन दहाड़े कच्चे आम के फल तोड़ लें गये मामला गुढ थाना क्षेत्र का है.

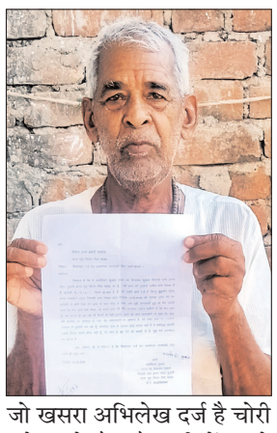

जहां पर वृद्ध किसान रामपियारे शुक्ला निवासी इटार ने गुढ थाने में लिखित सिकायत करते हुए बताया है कि रेरुआ निवासी बुद्धसेन पटेल ने हमारे निजी भूमि खसरा नंबर 75/5/4/1 रकवा,00,360,हे, में जो खसरा अभिलेख दर्ज है चोरी छुपे हमारे ग़ैर मौजूदगी में अपने दर्जन भर सथियो के साथ में दस बोरा कच्चे आम तोड ले गया पर जब मुझे पता चला तो मना करने पर उल्टा हमें ही जान से मारने हाथ,पैर, तोड़ने और अभद्र गालियों के साथ मार-पीट पर उतारू हो रहा है कहा जा रहा है पीड़ित किसान वृद्ध है और झगडा करना नही चाहता.

पीड़ित ने गुढ थाने में अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है. दबंग द्वारा लगातार पीड़ित किसान को धमकी दी जा रही है. वही गुढ थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित कों कार्यवाही का आश्वासन दिया है.

वन विभाग के बंदर पकड़ने के अभियान से जनता को मिल रही बड़ी राहत

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 17 मई। जनपद में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने एवं जनसामान्य को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से वन विभाग की टीम द्वारा लगातार बंदर पकड़ने का अभियान संचालित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा ग्राम क्षेत्रों में इस कार्य की जिम्मेदारी ग्राम विकास विभाग तथा नगर क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका को आवंटित की गई है। इसके बावजूद जनहित को दृष्टिगत रखते हुए वन विभाग द्वारा निरंतर सहयोगात्मक रूप से कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में विगत सप्ताह वन विभाग की टीम द्वारा ग्राम प्रसिद्धपुर, रेहुटिया एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत 30 से अधिक बंदरों को सुरक्षित रूप से पकड़ा गया। पकड़े गए बंदरों को नियमानुसार वन क्षेत्र में सुरक्षित स्थानों पर छोड़ा गया, जिससे स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सके। वन विभाग के कार्यक्रम अधिकारी गोपाल गुप्ता व अभियान में लगे षुभम पटेल द्वारा बताया गया कि जनहित में यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं को न्यूनतम करने हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

गुढ़ शराब दुकान की मनमानी से स्थानीय लोग परेशान, प्रशासन पर उठे सवाल

इन्द्रभान उपाध्याय

गुढ़, 17 मई, रीवा जिले के साथ गुढ़ महसाव पुरवा, मनिकवार, दुआरी शराब दुकानों की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

शहर के गुढ़ थाना क्षेत्र में संचालित कंपोजिट शराब दुकान को लेकर स्थानीय नागरिकों, राहगीरों और ग्राहकों में भारी नाराज़गी देखी जा रही है. आरोप हैं कि यहां नियमों को खुलेआम दरकिनार कर शराब की बिक्री की जा रही है, जबकि जिम्मेदार विभाग और स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बने हुए हैं. स्थानीय लोगों का दावा है कि सुबह सूरज निकलने से पहले ही दुकान के शटर के नीचे से शराब बेची जाने लगती है. वहीं दिनभर निर्धारित एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब और बीयर बेचने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं. ग्राहकों का कहना है कि अधिक कीमत का विरोध करने पर विवाद और अभद्र व्यवहार की स्थिति बन जाती है. क्षेत्रीय नागरिकों के अनुसार यह शराब दुकान शहर के अत्यंत व्यस्त मार्ग पर संचालित हो रही है. बस स्टैंड, मुख्य सड़क और प्रमुख यातायात क्षेत्र के नजदीक होने के कारण यहां हर समय लोगों की आवाजाही बनी रहती है. इसके बावजूद दुकान के आसपास शराबियों का जमावड़ा आम दृश्य बन चुका है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

लोगों का आरोप है कि दुकान के आसपास खुलेआम अस्थायी ठेले संचालित हो रहे हैं, जहां देर रात तक भीड़ लगी रहती है. कई बार विवाद और मारपीट जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बाईपास से लेकर होटल और हॉस्पिटल क्षेत्र तक शराबियों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है. राहगीरों और वाहन चालकों को निकलने में कठिनाई होती है, वहीं कई बार नशे में धुत लोग राह चलते लोगों से अभद्रता और विवाद भी करते देखे जाते हैं.

इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं. लोगों का आरोप है कि पुलिस पेट्रोलिंग वाहन प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन शराब दुकान के सामने फैली अव्यवस्था पर कभी सख्ती नहीं दिखाई जाती.

कार्रवाई में देरी पर उठ रहे सवाल

क्षेत्र में चर्चा है कि शराब ठेकेदारों और कुछ जिम्मेदार अधिकारियों के बीच कथित सांठगांठ के कारण नियमों का पालन नहीं कराया जा रहा. हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन दोनों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. कलेक्टर द्वारा की जा रही कार्यवाही से लोगो को उम्मीद है कि जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी.